

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 27] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 3, 1976 (आषाढ 12, 1898)
No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 3, 1976 (ASADHA 12, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 8 जून 1976 तक प्रकाशित किए गए हैं:—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 8th June 1976 :—

अंक Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
105.	सं० 42-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 2 जून, 1976	वाणिज्य मंत्रालय	1975-76 अवधि या इससे पहले की अवधियों के लिए जारी किए गए रिहाई आदेशों के प्रति खनिज तथा धातु व्यापार निगम द्वारा तांबे का संभरण ।
	No. 42 —ITC(PN)/76, dated the 2nd June, 1976.	Ministry of Commerce	Supply of Copper by MMTC against release orders issued for the period 1975-76 or earlier periods.
	सं० 43-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76 दिनांक 2 जून, 1976	तदेव	खनिज तथा धातु व्यापार निगम द्वारा वास्तविक उपभोक्ताओं को जस्ते का आबंटन लाइसेंस अवधि अप्रैल 1976—मार्च 1977 के लिए आयात नीति ।
	No. 43—ITC(PN)/76, dated the 2nd June, 1976.	Do.	Allotment of Zinc to actual users by MMTC—Import Policy for the licensing period April 1976—March 1977.
106.	सं० आर० एस० 1/2/76-एल, दिनांक 2 जून, 1976	राज्य सभा सचिवालय	राष्ट्रपति राज्य सभा का सत्रावसान करते हैं ।
	No. RS. 1/2/76—L, dated the 2nd June, 1976	Rajya Sabha Secretariat	The President prorogues the Rajya Sabha.

क्रं. Issue No.	संख्या और तिथि No. and date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
107.	सं० आर० एस० 1/3/76-एल०, दिनांक 4 जून 1976 No. R.S 1/3/76—L, dated the 4th June 1976.	तदैव Do.	राष्ट्रपति राज्य सभा को मंगलवार 10 अगस्त 1976 को मध्याह्न पूर्व 11 बजे नई दिल्ली में समवेत होने के लिए आमंत्रित करते हैं। The President summons the Rajya Sabha to meet at 11—00 AM on Tuesday, the 10th August 1976 at New Delhi.
108.	सं० 44-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 5 जून, 1976 No. 44 -ITC (PN)/76, dated the 5th June, 1976	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	(i) खजूरों [क्रम संख्या 21 (क) (ii) (4)] को छोड़कर सूखे, लवणित या परिक्षित फल जो और कहीं विशिष्ट नहीं हैं (ii) हींग (क्रम संख्या 31 (ख)/5), (iii) जीरे के बीज (क्रम संख्या 37/4 और (IV) औषधीय जड़ी बूटियां (क्रम संख्या- 87) 109/4-का 1-8-75 से 31-7-76 तक भारत-अफगान व्यापार व्यवस्था के अन्तर्गत अफगानिस्तान से आयात और भारत से माल का प्रति निर्यात। Import of (i) Fruits, dried, salted or preserved n. o. s. excluding Dates (S. No., 21(a) (ii)/(IV), (ii) As a foetida (Hing), (S. No. 31 (b)/(V), (iii) Cumin Seeds (S. No. 37/IV) and (iv) Medicinal Herbs (S. No. 87—109/IV) from Afghanistan and Counter-export of goods from India, under Indo-Afghan Trade Arrangement, from 1-8-75 to 31-7-1976.
109.	सं० प्रतिअदायगी/सा० स०-50/76, दिनांक 7 जून, 1976 No. Drawback/PN—50/76, dated the 7th June, 1976.	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue & Banking.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन० 1 दिनांक, 15 अक्टूबर 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN—1, dated the 15th October, 1971.
	सं० प्रतिअदायगी/सा० स० 51/76, दिनांक 7 जून, 1976 No. Drawback/PN—51/76, dated the 7th June, 1976.	तदैव Do.	सार्वजनिक सूचना सं० प्रतिअदायगी/पी० एन० 1, दिनांक 15 अक्टूबर 1971 में प्रकाशित सारणी में संशोधन। Amendments in the Table published in the Public Notice No. Drawback/PN—1, dated the 15th October, 1971.
110.	सं० 45-आई० टी० सी० (पी० एन०)/76, दिनांक 8 जून, 1976। No. 45—ITC (PN)/76, dated the 8th June, 1976.	वाणिज्य मंत्रालय Ministry of Commerce	लाइसेंस अवधि 1975-76 के दौरान ईराक से खजूरों [क्रम संख्या 21 (बी)/4] का आयात—सम्पूरक लाइसेंसों की मंजूरी। Import of Dates (S. No. 21 (b)/IV) from Iraq during 1975-76 licensing period—Grant of Supplementary licences.

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियाँ, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these *Gazettes*.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 487	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	पृष्ठ 1789
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1069	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii) —(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	2273
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	239
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	901	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	5615
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 2—एकसूत्र कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	569
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i) —(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1543
		भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	107

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 487	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	PAGE 1789
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1069	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2273
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	239
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	901	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	5615
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	569
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1543
		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	107

भाग I—खण्ड 1 PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 जून 1976

सं० 42-प्रेज/76—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री ओ० योहनान	(स्वर्गीय)
जमादार, 35वीं बटालियन, केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।	
श्री सावंत सिंह कुशवाह,	(स्वर्गीय)
जमादार, 44वीं बटालियन, केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।	

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

3 जून, 1975 को जब बिहार पुलिस का एक दल पटना के समीप गश्त लगा रहा था तो उनकी कुछ उग्रवादियों से अचानक मुठभेड़ हो गई । पुलिस दल के लिये केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल की दो प्लाटूनें कुमुक के रूप में भजी गई । श्री योहनान की कमान में 35वीं बटालियन के दो सेक्शन गांव के दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम की ओर तैनात किये गये और 44वीं बटालियन के दो सेक्शन गांव के उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम की ओर तैनात किये गये । केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के जवानों की उपस्थिति का आभास होते ही उग्रवादियों ने जबाब में गोली चलाना शुरू कर दिया और तीन घंटे तक गोली चलाते रहे । अंधेरा होता जा रहा था और उग्रवादी आत्मसमर्पण नहीं कर रहे थे इसलिये आक्रमण करने का निश्चय किया गया । श्री योहनान उग्रवादियों की गोली-बारी की परवाह न करते हुए उनके छिपने के स्थान के पश्चिम किनारे पर पहुंच गये और उनमें से चार को जान से मार डाला । ऐसा करते समय श्री योहनान स्वयं गम्भीर रूप से घायल हो गए बाद में जिसके कारण हस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई ।

श्री सावंत सिंह, ने जिन्होंने गांव के उत्तर-पूर्व की ओर मोर्चा सम्भाला था, उग्रवादियों की भारी गोलाबारी की परवाह न करते करते हुये उनके छिपने के स्थान पर पश्चिम की ओर से आक्रमण किया । दोनों ओर से हुई गोलीबारी के दौरान इन्होंने चार उग्रवादियों को मार डाला । उसके बाद, इन्होंने एक अन्य मकान पर आक्रमण किया जहां कुछ उग्रवादियों के छिपने का सन्देह था । गोलीबारी के

परिणामस्वरूप मकान को छप्पर की छत में आग लग गई और पांच उग्रवादी अंधाधुंध गोली चलाते हुये मकान से भाग निकले । श्री सावंत सिंह ने अपने आदमियों को, भागते हुए उग्रवादियों पर गोली चलाने का आदेश दिया । परिणामस्वरूप चार और उग्रवादी मारे गए । श्री सावंत सिंह ने 2 जुलाई 1975 को उग्रवादियों के साथ हुई एक अन्य मुठभेड़ में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान किया ।

इन मुठभेड़ों में श्री ओ० योहनान जमादार तथा श्री सावंत सिंह कुशवाह ने अदम्य वीरता और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 जून, 1975 से दिया जाएगा ।

सं० 43 प्रेज/76—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री शीतला प्रसाद,	
नायक, 35वीं बटालियन, केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।	
श्री ए० के० नामसूद्र,	
कांस्टेबल, 35वीं बटालियन, केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।	
श्री हर्बंस सिंह,	
कांस्टेबल, 44वीं बटालियन, केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।	

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

3 जून, 1975 को जब बिहार पुलिस का एक दल पटना के समीप सादे कपड़ों में गश्त लगा रहा था तो उनकी कुछ उग्रवादियों से अचानक मुठभेड़ हो गई । केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल की 35वीं और 44वीं बटालियन में से एक-एक प्लाटून कुमुक के रूप में भेजी गई । 35वीं बटालियन के जवानों ने गांव के दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम की ओर मोर्चा लगाया और 44वीं बटालियन ने गांव के उत्तर-पूर्व और उत्तर-पश्चिम की ओर मोर्चा संभाला । उग्रवादियों

ने कच्चे मकानों में, जो छोटी छोटी गलियों में जुड़े थे, मोर्चा संभाला हुआ था। वे मकानों की मिट्टी की दीवारों में किये गये छेदों से गोली चला रहे थे। लगभग तीन घंटों तक भारी गोलाबारी होती रही किन्तु उग्र-वादियों की ओर से आत्मसमर्पण के कोई आसार नजर नहीं आये। तब उग्रवादियों पर आक्रमण किया गया। यद्यपि इस आक्रमण में श्री शीतला प्रसाद और श्री नामसूद्र बुरी तरह से घायल हो गये थे फिर भी वे चार उग्रवादियों को मार डालने में सफल हो गये।

श्री हरबंस सिंह उस दल के एक सदस्य थे जिसने पूर्व की ओर से उग्रवादियों पर आक्रमण किया। उग्रवादियों द्वारा की जा रही गोलाबारी की तनिक भी परवाह न करते हुये वे उन मकानों की मिट्टी की दीवारों के साथ-साथ रेंगते हुए उस जगह तक गये जहां उग्रवादी छिपे थे। आक्रमण के परिणामस्वरूप चार उग्रवादी मारे गये। लेकिन एक उग्रवादी भाग निकलने में सफल हो गया। श्री हरबंस सिंह ने उस उग्रवादी का पीछा किया और उसे गोली से मार दिया।

इस मुठभेड़ में श्री शीतला प्रसाद, श्री ए० के० नामसूद्र और श्री हरबंस सिंह ने उत्कृष्ट वीरता तथा कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 3 जून, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 44-प्रेज/76—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री तिल बहादुर तमंग, (स्वर्गीय)
राइफलमैन,
पूर्वी सीमा राइफल,
पहली बटालियन,
पश्चिम बंगाल।

सेवा का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

28 जनवरी, 1975 को सूचना मिली कि एक आजीवन कैदी जो जेल से भाग गया था, अपने सहयोगियों के साथ जिला नादिया के डालुइपुर गांव के एक मकान में छिपा हुआ है। इन आततायियों के पास कुछ समय पहले थाना मायापुर से लूटी गई दो राइफलों के होने की भी सूचना थी, उपलब्ध पुलिस कर्मचारियों को इकट्ठा करके के बाद पुलिस उप-अधीक्षक श्री रघुनाथ कार्जी डालुइपुर गांव को रवाना हुए। पुलिस दल को चार भागों में बांट दिया गया। वे विभिन्न दिशाओं से उक्त छिपने के स्थान पर पहुंचे, लेकिन आततायियों का पुलिस दल की उपस्थिति का आभास हो गया और उन्होंने उन पर गोली चला दी। गोलीबारी के दौरान एक होम गार्ड को जो एक तरफ से मकान पर पहुंचने का निर्भीक प्रयास कर रहा था गोली लगी और वह नीचे गिर गया। निजी सुरक्षा की परवाह न करते हुये श्री तिलबहादुर तमंग जो पुलिस पार्टी के सदस्य थे, घायल होम गार्ड को वापस लाने के लिए तेजी से दौड़ पड़े किन्तु उन्हें स्वयं भी घातक गोली लगी और वे भूमि पर गिर पड़े। मुठभेड़ में पांच

आततायी मारे गये और एक राइफल तथा गोला बारूद के 13 राउंड बरामद किये गये। बाद में पता चला कि यह राइफल कुछ पहले एक पुलिस कैम्प से लूटी गई थी।

इस प्रकार श्री तिल बहादुर तमंग ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 जनवरी, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 45-प्रेज/76—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री रघुनाथ कार्जी,
पुलिस उप अधीक्षक, (स्थानापन्न)
मुख्यालय, कृष्णागर,
नादिया, पश्चिम बंगाल।
श्री भक्त बहादुर राय,
लांस नायक,
पूर्वी सीमा राइफल,
पहली बटालियन,
पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

28 जनवरी, 1975 को सूचना मिली कि एक आजीवन कैदी जो जेल से बच कर भाग गया था, अपने सहयोगियों के साथ जिला नादिया के डालुइपुर गांव में एक मकान में छिपा हुआ है। इन आततायियों ने कुछ पहले थाना मायापुर से दो राइफले लूटी थीं। उपलब्ध पुलिस कर्मचारियों को एकत्र करने के पश्चात श्री कार्जी गांव डालुइपुर की ओर बढ़े। श्री भक्त राय पुलिस दल के सदस्य थे। श्री कार्जी ने पुलिस दल को चार भागों में विभाजित किया और वे विभिन्न दिशाओं से मकान की ओर बढ़े। परन्तु आततायियों को उनकी उपस्थिति का आभास हो गया और उन्होंने गोली चला दी। एक होम गार्ड को जिसने एक तरफ से मकान पर पहुंचने का निर्भीक प्रयास किया, गोली लगी और श्री वह गिर गया। पुलिस दल के एक अन्य सदस्य को भी गोली लगी जिसने घायल होम गार्ड को वापस लाने का प्रयत्न किया था, और वह भी गिर गया। खतरनाक स्थिति को देखते हुये श्री भक्त बहादुर राय उस मकान की ओर रेंग कर गए जहां आततायी छिपे थे और अपने रिवाल्वर से दो गोलियां चलाईं। मुठभेड़ में पांच आततायी मारे गये और एक राइफल तथा गोला बारूद के 13 राउंड बरामद किये गए। बाद में पता चला कि यह राइफल कुछ पहले पुलिस कैम्प से लूटी गई थी।

इस प्रकार श्री रघुनाथ कार्जी तथा श्री भक्त बहादुर राय ने उत्कृष्ट वीरता और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 28 जनवरी, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 46-प्रेज/76—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री जयमाल सिंह,
सूबेदार सं० 57060154,
59वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।
श्री अभय राम,
हैड कांस्टेबल सं० 6201343
59वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

सर्वश्री जयमाल सिंह सूबेदार तथा अभय राम हैड कांस्टेबल नागालैंड के चखेसंग क्षेत्र में तैनात की गई 59वीं बटालियन की 'बी' कम्पनी के सदस्य थे। इस क्षेत्र में भूमिगत विरोधियों ने अपनी गतिविधियों से शान्ति प्रिय लोगों को आतंकित कर रखा था। 1 जुलाई, 1975 को सूचना मिली कि एक स्वयंघोषित मेजर तथा उसके दल के कुछ अन्य सदस्य जंगल में एक छुपाव स्थान पर पड़ाव डाले हुये हैं। सूबेदार जयमाल सिंह, विरोधियों को पकड़ने के लिये एक गश्ती दल के साथ तुरन्त उस स्थान की ओर बढ़े। दुर्गम पथ के बावजूद गश्ती दल विरोधियों पर एकाएक टूट पड़ने के उद्देश्य से छिप कर आगे बढ़ने में सफल हो गया। लेकिन विरोधियों के सन्तरी को आते हुए गश्ती दल का पता लग गया और उसने संकेत का संकेत कर दिया। इस पर छिपे हुये विरोधियों ने गश्ती दल पर धुआधार गोलाबारी कर दी। केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल की टुकड़ी ने जवाबी गोली चलाई और अन्ततः सूबेदार जयमाल सिंह तथा हैड कांस्टेबल अभय राम स्वयंघोषित मेजर को गिरफ्तार करने में सफल हो गये। हैड कांस्टेबल अभय राम ने स्वयं घोषित मेजर को पकड़े रखा और इस बीच सूबेदार जयमाल सिंह ने अन्य विरोधियों का पीछा किया और भागते हुये विरोधियों से एक सब-मशीनगन बरामद कर ली।

इस मुठभेड़ में सूबेदार जयमाल सिंह तथा हैड कांस्टेबल अभय राम दोनों ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अंतर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 1 जुलाई, 1975 से दिया जाएगा।

सं० 47-प्रेज/76—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री रामेश्वर दास
हैड कांस्टेबल,
55वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल,
मिजोरम। (स्वर्गीय)

श्री अनुसूईया प्रसाद,
कांस्टेबल,
55वीं बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल,
मिजोरम।

(स्वर्गीय)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

29 अगस्त, 1975 को कांस्टेबल अनुसूईया प्रसाद तथा हैड कांस्टेबल रामेश्वर दास ऐजल शहर में ड्यूटी पर तैनात किये गये थे। जब वे शहर को जाने वाली सड़क की सीड़ियों पर चढ़ रहे थे तो एक विरोधी दोनों हाथों में पिस्तौल लिये हुये आया और उसने उन दोनों को रोक लिया। उसने गोली चलाई और हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल दोनों की बांहों को जकड़ी कर दिया। गंभीर घावों के बावजूद इन दोनों कर्मचारियों ने अपना मानसिक सन्तुलन नहीं खोया। वे विरोधी पर झपट पड़े और उसके साथ गुत्थम-गुत्था हो गये। अन्ततः हैड कांस्टेबल रामेश्वर दास ने विरोधी को वश में कर लिया। इतने में कुछ विरोधी पास की झोंपड़ी से निकले और उन्होंने हैड कांस्टेबल पर गोलियों की बौछार कर दी। यद्यपि हैड कांस्टेबल रामेश्वर दास घातक रूप से घायल हो गए थे फिर भी उन्होंने मरते दम तक विरोधी को जकड़े रखा। इस बीच कांस्टेबल अनुसूईया प्रसाद उठ कर खड़े हो गये। उन्होंने विरोधी पर गोली चलाई और उसको वहीं मार गिराया। फिर उन्होंने अन्य विरोधियों पर गोली चलाई जो फौरन पीछे हट गए। कांस्टेबल अनुसूईया प्रसाद द्वारा की गई तुरन्त कार्यवाही के कारण विरोधी हैड कांस्टेबल रामेश्वर दास की राइफल नहीं ले जा सके। बाद में पता चला कि मारा गया। विरोधी एक स्वयंघोषित ड्यूटी कमांडर था जिसकी तीन पुलिस अधिकारियों की हत्या के संबंध में तलाश थी और उसे पकड़ने के लिए 10,000 रुपए का पुरस्कार घोषित था।

इस प्रकार श्री रामेश्वर दास हैड कांस्टेबल तथा अनुसूईया प्रसाद कांस्टेबल ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. ये पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अंतर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 29 अगस्त, 1975 से दिया जाएगा।

कृ० बालचन्द्रन्, राष्ट्रपति के सचिव

योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1976

सं० प० व० सं०/11(6)/74—सीमान्त सड़क समिति जिसका गठन योजना आयोग के संकल्प संख्या प० व० सं० 11(6)/70 दिनांक 6-7-70 (जैसा कि ज्ञापन संख्या प० व० सं०/11(2)/73 दिनांक 1-3-73 में अन्तिम बार संशोधित किया गया) में किया गया था, के अध्यक्ष डा० एम० के० गंगूली के विदेश सेवा पर जाने पर उनके स्थान पर श्री बी० एस० मनचंदा, सलाहकार (कार्यक्रम प्रशासन) अध्यक्ष होंगे।

मनीपुर, मेघालय, सिक्किम और मिजोरम सरकारों के प्रतिनिधि भी समिति में होंगे।

ज्ञानेन्द्र नाथ गुप्त
निदेशक प्रशासन

वित्त मंत्रालय

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1976

संकल्प

सं० फा० 16(2)-ई० V(बी)/76—सर्वसाधारण को सूचनार्थ यह घोषणा की जाती है कि वर्ष 1976-77 के दौरान 25000 रु० तक की सामान्य भविष्य निधि तथा अन्य उसी प्रकार की निधियों के अभिदाताओं की कुल जमा रकमों पर (जिनमें जमा की गई तथा निकाली जाने वाली राशियां शामिल हैं) ब्याज की दर 7.50 प्रतिशत वार्षिक होगी तथा 25,000 रुपए से ऊपर की रकम पर ब्याज की दर 7.00 प्रतिशत वार्षिक होगी। ये दरें 1 अप्रैल, 1976 से आरम्भ होने वाली वित्तीय वर्ष के दौरान लागू रहेंगी। संबंधित निधियां निम्नानुसार हैं :—

1. सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं)
2. सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं)
3. अंशदायी भविष्य निधि (भारत)
4. अखिल भारतीय सेवा भविष्य निधि
5. भारतीय आयुध विभाग भविष्य निधि
6. अन्य विविध भविष्य निधि (रक्षा)
7. रक्षा सेवा अधिकारी भविष्य निधि
8. सशस्त्र सेना कर्मचारी भविष्य निधि
9. भारतीय आयुध निर्माणी कामगार भविष्य निधि
10. अंशदायी भविष्य निधि (रक्षा)
11. भारतीय नौसेना गोदी कामगार भविष्य निधि।

2. रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा अपने नियंत्रण अधीन विभिन्न भविष्य निधियों की शेष जमा पर, संबंधित वर्ष के दौरान लागू ब्याज की दरों के बारे में आवश्यक आदेश अलग से जारी किए जाएंगे।

3. आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एस० एस० एल० मल्होत्रा, अवसर सचिव

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1976

संकल्प

सं० आई० एम० ई० 1(2)/76—भारत सरकार ने अपने 14 अप्रैल, 1976 के संकल्प द्वारा साइकिल और साइकिल के हिस्से पुर्जों के उद्योग के विकास हेतु, एक नामिका

गठित की थी। अब यह निर्णय किया गया है उसमें उल्लिखित सदस्यों के अलावा श्री एस० बी० पिकाले, मेसर्स एस० बी० पिकाले एण्ड कंपनी, 18/19 हमाम स्ट्रीट, बम्बई-400001 भी उपर्युक्त नामिका में एक सदस्य होंगे।

सी० मल्लिकार्जुनन, अवसर सचिव

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1976

संकल्प

सं० 25-8/68-एल० डी०-I—इस मंत्रालय के 29 जून, 1967 के संकल्प संख्या 25-5/68-एल० डी० 1, जिसमें समय-समय पर संशोधन होता रहा है, में आंशिक रूप से आशोधन करते हुए केन्द्रीय सरकार ने गो रक्षा समिति द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अवधि को 31 मई, 1977 तक बढ़ा दिया है।

पी० एस० कोहली, संयुक्त सचिव

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति निम्नलिखित को भेज दी जाए :—

1. सभी राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्र
2. लोक सभा सचिवालय
3. राज्य सभा सचिवालय
4. प्रधान मंत्री का सचिवालय
5. मंत्रिमण्डल सचिवालय
6. श्री जी० के० मिस्त्र, अध्यक्ष, गोरक्षा समिति, 36/4, साउथ एण्ड पार्क, कलकत्ता-29।
7. मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश, भोपाल।
8. मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
9. मुख्य मंत्री, पश्चिम बंगाल कलकत्ता।
10. श्री स्वामी-योगेश्वर विदेही हरिजी महाराज, द्वारा भारत गोसेवक समाज, 3, सदर थाना रोड, दिल्ली-6।
11. श्री गोस्वामी गिरधारी लाल जी, प्रधान मंत्री, सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा, भूपेन्द्र भवन, पहाड़गंज, नई दिल्ली।
12. श्री अक्षय कुमार जैन, सम्पादक, नवभारत टाइम्स, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।
13. डा० एम० एन० मेनन, पशु पालन आयुक्त, कृषि विभाग, नई दिल्ली।
14. डा० आई० जे० सिंह, प्रोफेसर, कृषि अर्थ शास्त्र, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार (हरियाणा)।
15. डा० बी० कुरियन, अध्यक्ष, राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड, आनन्द (गुजरात)।
16. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली।
17. डा० एल० एस० वेंकटरमणन, वरिष्ठ फेलो सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर।]

18. आवश्यक कार्यवाही के लिए कृषि विभाग के स्थापना 1/स्थापना/2/स्थापना 3/स्थापना 4/स्थापना 5 अनुभाग
19. सूचना अधिकारी, कृषि विभाग ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी के लिए संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए जाए ।

गुरदयाल मोहन, अवसर सचिव

**नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)**

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1976
संकल्प

सं० 20-पी० जी० बी०-20(25)/73-भाग--राष्ट्रीय बन्दरगाह बोर्ड के पुनर्गठन सम्बन्धी नौवहन और परिवहन मंत्रालय के संकल्प संख्या 20 पी० जी० बी० (25)/73 भाग, दिनांक 27 सितम्बर और बाद के समसंख्यक संकल्प, दिनांक 28 अक्तूबर, 1975 में आंशिक संशोधन करते हुए, गुजरात के राज्यपाल के सलाहकार, अथवा गुजरात के पत्तन प्रभारी भूतपूर्व मंत्री श्री विनोदभाई, बी० सेठ के स्थान पर कार्यकाल की शेष अवधि के लिए गुजरात राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति बोर्ड, के सदस्यों, राष्ट्रपति के सचिव, प्रधानमंत्री सचिवालय मन्त्रि-मण्डल सचिवालय, योजना आयोग, भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों तथा संबंधित राज्य सरकारों को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सर्वसाधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

के० शिवराज, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1976

संकल्प

सं० ई० आर० बी० 1/74/21/48—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के 6-7-1974 के संकल्प सं० ई० आर० बी०-1/74/21/48 के क्रम में भारत सरकार ने श्री सुधीन्द्र शुक्ल को रेलवे समाज सुधार समिति का सदस्य मनोनीत किया है ।

दिनांक 21 मई 1976

संकल्प

सं० ई०(आर० बी०)1/73/21/40—इस मंत्रालय के 11-4-1974 के समसंख्यक संकल्प का अधिक्रमण करते हुए

भारत सरकार ने यह विनिश्चय किया है कि रेलों की स्थायी स्वैच्छिक सहायता समिति के निम्नलिखित कार्य-कलाप होंगे:-

1. बिना टिकट यात्रा और अनधिकृत रूप से खतरे की जंजीर खींचने की रोकथाम ।
2. स्टेशनों की सफाई ।
3. रेलवे स्टेशनों पर और चलती गाड़ियों में पेय जल की सप्लाई जैसी अन्य यात्रा सुविधाओं की व्यवस्था करना तथा विभागीय खान-पान व्यवस्था अथवा प्राइवेट ठेकेदारों द्वारा चलाई जा रही खान-पान और बेडिंग इकाइयों की जांच करना ।

अमृत लाल गुप्त

सचिव रेलवे बोर्ड

एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली दिनांक 11 जून 1976

संकल्प

सं० एन० 21015/8/75-पी० एस०—इस मंत्रालय में एकीकृत वित्त प्रणाली आरम्भ कर दिए जाने के फलस्वरूप यह निर्णय किया गया है कि इस मंत्रालय के संयुक्त सचिव (वित्त) राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन की सलाहकार परिषद् तथा कार्यकारी समिति दोनों के सदस्य होंगे ।

2. तदनुसार राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन की सलाहकार परिषद् कार्यकारी समिति स्थापित करने संबंधी इस मंत्रालय की दिनांक 12 दिसम्बर 1973 की संकल्प संख्या 7/20/72-पी० एस० के पैरा 1 में "सदस्य" नामक मद के नीचे "निर्माण और आवास मंत्रालय से सम्बद्ध संयुक्त सचिव (वित्त)" शब्दों को "संयुक्त सचिव (वित्त)" शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है ।

3. इस मंत्रालय के उपरोक्त संकल्प के पैरा 2 में भी "सदस्य" नामक मद के नीचे "संयुक्त सचिव (वित्त)" शब्दों को मद संख्या 11 के रूप में जोड़ा गया है तथा वर्तमान मद संख्या 11 को मद संख्या 12 कर दिया गया है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेजी जाए :-

1. राष्ट्रीय भवन (निर्माण संगठन की सलाहकार परिषद् के सभी सदस्य ।
2. राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन की कार्यकारी समिति के सभी सदस्य ।
3. राष्ट्रीय भवन (निर्माण) संगठन, नई दिल्ली ।
4. योजना आयोग, नई दिल्ली ।
5. सेना मुख्यालय (प्रमुख इंजीनियर शाखा) नई दिल्ली

6. रक्षा मन्त्रालय, नई दिल्ली।
7. आवास तथा नगर विकास निगम समिति, नई दिल्ली।
8. प्रमुख इंजीनियर, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली।
9. वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली।
10. केन्द्रीय भवन अनुसन्धान संस्थान, रुड़की।
11. संरचनात्मक इंजीनियरी अनुसन्धान केन्द्र, मद्रास।
12. भारतीय वास्तुकला संस्थान, उत्तरी खण्ड।
13. बिल्डिग्स एसोसिएशन।
14. सरकारी उद्यम ब्यूरो भवन, नई दिल्ली।
15. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली।
16. रेल मन्त्रालय (रेलवे बोर्ड), नई दिल्ली।
17. सभी राज्य सरकारें।
18. राज्य लोक निर्माण विभागों के सभी मुख्य इंजीनियर
19. शिक्षा और समाज कल्याण मन्त्रालय, नई दिल्ली।
20. प्रेजिडेंट इन्स्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इण्डिया), नई दिल्ली।

21. केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, योजना आयोग, नई दिल्ली।
22. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन, नई दिल्ली।
23. आर्थिक तथा सामाजिक क्षेत्र में अनुसन्धान संस्थान।
24. उद्योग तथा सिविल पूर्ति मन्त्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), नई दिल्ली।
25. तकनीकी विकास महानिदेशालय, नई दिल्ली।
26. बिल्डिंग मेटेरियल्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन।
27. आवास तथा नगर विकास प्रभाग, योजना आयोग, नई दिल्ली।
28. भारत का राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रलेखन केन्द्र, नई दिल्ली।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

एन० के० प्रसाद
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 22nd June 1976

No. 42-Pres./76.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers

Shri O. Yohanan,
Jemadar,
35th Battalion,
Central Reserve Police Force. (Deceased)

Shri Sawant Singh Kushawah,
Jemadar,
44th Battalion,
Central Reserve Police Force. (Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 3rd June 1975, while patrolling, a party of the Bihar Police was involved in a chance encounter with extremists near Patna. Two Platoons of CRPF were sent as reinforcement to the Police party. While two sections of the 35th Battalion under the command of Shri Yohanan were deployed on the South-Eastern side and South-Western side of the village, two sections of the 44th Battalion were deployed on the North-Eastern and North-Western side of the village. Sensing the presence of the CRPF personnel, the extremists started the exchange of fire and continued for three hours. As it was growing dark and the extremists were not surrendering, it was decided to launch an assault. Shri Yohanan reached the Western edge of the hide-out in disregard of the fire by the extremists and killed four of them. In doing so Shri Yohanan was himself grievously injured and succumbed to his injuries in the hospital.

Shri Sawant Singh who had taken up position on the North-Eastern side of the village made the assault from the Western side of the hide-out in disregard of the heavy fire by the extremists. In the exchange of fire he killed four extremists. Later on, he launched an attack on another house where some extremists were suspected to be hiding. As a result of the fire, the thatched roof of the house caught fire and five extremists came out of the house firing indiscriminately. Shri Sawant Singh directed his men to fire on the fleeing extremists. As a result thereof, four more extremists were killed. Shri Sawant Singh made supreme sacrifice of his life in another encounter with the extremists on July 2, 1975.

In these encounters Shri O. Yohanan and Shri Sawant Singh Kushawah exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 3rd June 1975

No. 43-Pres./76.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers

Shri Shitla Prasad,
Naik,
35th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri A. K. Namsudra,
Constable,
35th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Harbans Singh,
Constable,
44th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 3rd June 1975, while patrolling in plain clothes near Patna, a party of the Bihar Police got involved in a chance encounter with certain extremists. Two platoons each of 35th Battalion and 44th Battalion of Central Reserve Police Force were sent as reinforcement. While the personnel of 35th Battalion took position on the South-Eastern and South-Western side of the village, personnel of 44th Battalion took position on the North-Eastern and North-Western side of the village. The extremists had taken position in mud houses which were inter-connected by small lanes. They were firing through the holes made in the mud walls of the houses. The heavy exchange of fire continued for about three hours but the extremists showed no signs of surrender. An assault was then launched on the extremists. In the assault Shri Shitla Prasad and Shri Namsudra were able to kill four extremists, though they were themselves wounded badly.

Shri Harbans Singh was a member of the party which launched an attack on the extremists from the Eastern side. In utter disregard of the fire by the extremists he crawled

along the mud-walls of the houses where extremists were hiding. The assault resulted in the killing of four extremists. One extremist was, however, able to escape. Shri Harbans Singh chased the extremist and shot him dead.

In this encounter Shri Shitla Prasad, Shri A. K. Namsudra and Shri Harbans Singh displayed conspicuous gallantry and devotion to duty.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 31st June 1975.

No. 44-Pres./76.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and rank of the officer

Shri Til Bahadur Tamang, (Deceased)
Rifleman,
Eastern Frontier Rifles,
1st Battalion,
West Bengal

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 28th January 1975, information was received that a life convict who had escaped from jail was hiding with his associates in a house in village Daluipur, District Nadia. These desperados were also reported to be armed with two rifles which they had earlier looted from Mayapur Police Station. After collecting the available manpower Shri Raghunath Karjee, Deputy Superintendent of Police proceeded towards village Daluipur. The Police party was divided into four groups. They approached the hide-out from different directions. The desperados however, sensed the presence of the Police party and opened fire on them. During the exchange of fire one Home Guard who made a desperate attempt to reach the house from one flank was hit by a bullet and fell down. In disregard of his personal safety Shri Til Bahadur Tamang who was one of the members of the Police party made a dash to bring back the injured Home Guard but was himself mortally hit by a bullet and fell on the ground. In the encounter five extremists were killed, one rifle and 13 rounds of ammunition were recovered. The rifle was later found to have been earlier looted from a Police Camp.

Shri Til Bahadur Tamang thus displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 28th January 1975.

No. 45-Pres./76.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the West Bengal Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Raghunath Karjee,
Deputy Superintendent of Police,
Head Quarters, Krishnagar,
Nadia, West Bengal. (Officiating)

Shri Bhakta Bahadur Rai,
Lance Naik,
Eastern Frontier Rifles,
1st Battalion,
West Bengal.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 28th January 1975, information was received that a life convict who had escaped from jail was hiding with his associates in a house in village Daluipur, district Nadia. These desperados had earlier looted two rifles from Mayapur

Police Station. After collecting the available manpower Shri Karjee proceeded towards village Daluipur. Shri Bhakta Bahadur Rai was a member of the Police party. The Police party, divided into four groups, made approaches to the house from different directions. The extremists, however, sensed their presence and opened fire. One Home Guard who made a desperate attempt to reach the house from one flank was hit by a bullet and fell down. One other member of the Police party who tried to bring back the injured Home Guard was also hit by a bullet and fell. Looking to the desperate situation Shri Bhakta Bahadur Rai crawled towards the house where the desperados were hiding and fired two rounds from his revolver. In the encounter five extremists were killed and one rifle and 13 rounds of ammunition were recovered. The rifle was later found to have been earlier looted from a Police Camp.

Shri Raghunath Karjee and Shri Bhakta Bahadur Rai thus exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 28th January 1975.

No. 46-Pres./76.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers

Shri Jaimal Singh,
Subedar No. 57060154,
59th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Shri Abhay Ram,
Head Constable No. 6201343,
59th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

S/Shri Jaimal Singh, Subedar and Abhay Ram Head Constable were members of 'B' Coy of 59 Battalion deployed in Chakhesang area of Nagaland. In this area the underground hostiles had terrorised the peace loving people by their activities. On 1st July 1975, information was received that a self-styled Major and some members of his force were camping in a jungle hideout. Subedar Jaimal Singh immediately proceeded to the site with a patrol party for capturing the hostiles. In spite of the difficult terrain, the patrol was able to move stealthily with a view to spring a surprise on the hostiles. However, the sentry of the hostiles became aware of the approaching patrol and raised an alarm. The patrol was then subject to heavy firing by the undergrounds. The Central Reserve Police Force contingent returned the fire, and ultimately, Subedar Jaimal Singh and Head Constable Abhay Ram were able to arrest the self-styled Major. While the self-styled Major was overpowered and held in grip by Head Constable Abhay Ram, Subedar Jaimal Singh chased the other hostiles and recovered one sub-machine gun from the fleeing hostiles.

In this encounter both Subedar Jaimal Singh and Head Constable Abhay Ram displayed conspicuous gallantry, courage, and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 1st July 1975.

No. 47-Pres./76.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Central Reserve Police Force :—

Names and ranks of the officers

Shri Rameshwar Dass,

Head Constable,
55th Battalion,
Central Reserve Police Force,
Mizoram.

(Deceased)

Shri Anusuya Prasad,
Constable,
55th Battalion,
Central Reserve Police Force,
Mizoram.

(Deceased)

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 29th August 1975, Constable Anusuya Prasad and Head Constable Rameshwar Dass were detailed for duty in Aizawl town. As they were climbing up the steps leading to the town road, one hostile armed with his pistols in both the hands appeared and held them up. He opened fire and was able to hit both the Head Constable and Constable in the arms. In spite of the severe wounds, these two men did not lose their presence of mind. They charged at the hostile and grappled with him. Ultimately, Head Constable Rameshwar Dass was able to overpower the hostile. By this time, however, some other hostiles came out of a neighbouring hut and sprayed bullets at the Head Constable and the Constable. Though Head Constable Rameshwar Dass was mortally wounded, he held on to the hostile till he breathed his last. In the meantime Constable Anusuya Prasad was able to get up. He fired a shot at the hostile and killed him on the spot. He then opened fire on the other hostiles who beat a hasty retreat. The timely action on the part of Constable Anusuya Prasad prevented the hostiles from taking away the rifle of Head Constable Rameshwar Dass. The hostile shot dead was later identified as a self-styled Deputy Commander who was wanted in a murder case of three police officers and carried a reward of Rs. 10,000/- on his head.

Shri Rameshwar Dass, Head Constable and Shri Anusuya Prasad, Constable thus exhibited conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 29th August 1976.

(Deceased)

K. BALACHANDRAN
Secretary to the President

PLANNING COMMISSION

New Delhi, the 5th May 1976

No. TEC/11(6)/74.—The Border Roads Committee which was set up *vide* Planning Commission Resolution No. TEC/11(6)/70, dated 6th July 1970 (as last amended *vide* Memorandum No. TEC/11(2)/73, dated 1st March 1973) will be headed by Shri B. S. Manchanda, Adviser (Programme Administration) *vice* Dr. M. K. Ganguli, who has proceeded on a foreign assignment.

The Governments of Manipur, Meghalaya, Sikkim and Mizoram will also be represented on the Committee.

G. N. GUPTA,
Director (Administration)

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF EXPENDITURE

New Delhi, the 4th June 1976

No. F.16(2)-EV(B)/76.—It is announced for general information that accumulations at the credit of subscribers to the General Provident Fund and other similar funds upto Rs. 25,000/- (inclusive of deposits and withdrawals) during the year 1976-77 will carry interest at the rate of Rs. 7.50% per annum and the interest rate of 7.00% per annum will

apply to sums in excess of Rs. 25,000/-. These rates will be in force during the financial year beginning on 1st April 1976. The funds concerned are :—

1. The General Provident Fund (Central Services)
2. The General Provident Fund (Defence Services)
3. The Contributory Provident Fund (India).
4. The All India Services Provident Fund.
5. The Indian Ordnance Department Provident Fund.
6. Other Miscellaneous Provident Fund (Defence).
7. The Defence Services Officers' Provident Fund.
8. The Armed Forces Personnel Provident Fund.
9. The Indian Ordnance Factories Workmen's Provident Fund.
10. The Contributory Provident Fund (Defence).
11. The Indian Naval Dockyard Workmen's Provident Fund.

2. Necessary instructions will be issued separately by the Ministry of Railways (Railway Board) concerning the rates of interest applicable during the year, in question, to the balances in the various Provident Fund under the control of that Ministry.

ORDER

3. ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. S. L. MALHOTRA, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 15th June 1976

RESOLUTION

No. IME.1(2)/76.—The Government of India had constituted a Panel for the development of the Cycle and Cycle Components Industries *vide* Resolution dated the 14th April 1976. It has now been decided that in addition to the members mentioned therein, Shri S. V. Pikale, M/s S. V. Pikale & Company, 18/19, Hamam Street, Bombay-400001, will also be a member of the above Panel.

C. MALLIKARJUNAN, Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 10th June 1976

RESOLUTION

No. 25-8/68.-LD.I.—In partial modification of this Ministry's Resolution No. 25 5/68-L.D.I., dated the 29th June 1967 as amended from time to time, the Central Government have decided that the time limit for presenting the report by the Committee on Cow Protection may be extended upto 31st May 1977.

P. S. KOHLI, Jt. Secy.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to :—

1. All State Governments/Union Territories.
2. Lok Sabha Secretariat.
3. Rajya Sabha Secretariat.
4. Prime Minister's Secretariat.
5. Cabinet Secretariat.
6. Shri G. K. Mitter, Chairman, Committee on Cow Protection, 36/4, South End Park, Calcutta-29.
7. Chief Minister, Madhya Pradesh, Bhopal.
8. Chief Minister, Uttar Pradesh, Lucknow.
9. Chief Minister, West Bengal, Calcutta.
10. Swami Yogeshwar Videhi Hariji Maharaj, Dwara Bharat Gosevak Samaj, 3, Sadar Thana Road, Delhi-6.

11. Shri Goswami Girdhari Lal Ji, Pradhan Mantri, Sanatan Dharam Pretinidhi Sabha, Bhupendra Bhawan, Pahar Ganj, New Delhi.
12. Shri Akshay Kumar Jain, Editor, Nav Bharat Times, Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi.
13. Dr. M. N. Menon, Animal Husbandry Commissioner, Department of Agriculture, New Delhi.
14. Dr. I. J. Singh, Professor of Agricultural Economics, Haryana Agricultural University, Hisar (Haryana).
15. Dr. V. Kurion, Chairman, National Dairy Development Board, Anand (Gujarat).
16. Indian Council of Agricultural Research, New Delhi.
17. Dr. L. S. Venkatramanana, Senior Fellow, Institute of Social & Economic Change, Bangalore.
18. E.I/E.II/E.III/E.IV/E.V., Department of Agriculture, for necessary action.
19. Information Officer, Department of Agriculture.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

GURDIAL MOHAN, Under Secy

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (TRANSPORT WING)

New Delhi, the 15th June 1976

RESOLUTION

No. 20-PGB(25)/73-PT.—In partial modification of the Ministry of Shipping and Transport Resolution No. 20-PGB(25)/73-PT, dated 27th September 1975 and subsequent resolution of even number dated the 28th October 1975 regarding re-constitution of the National Harbour Board, Adviser to the Governor of Gujarat will now represent Gujarat State in place of Shri Vinodbhai, B. Seth, the then Minister-in-Charge of Ports, Gujarat State for the remaining period of the term.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries/Departments of the Governments of India and the State Governments concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. SIVARAJ, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 2nd April 1976

RESOLUTION

No. ERBI/74/21/48.—In continuation of Ministry of Railways (Railway Board's) Resolution No. ERB-1/74/21/48, dated 6th July 1974, the Government of India have nominated Shri Sudhindra Shukla, as a Member of the Committee for Social Reforms on Railways.

The 21st May 1976

RESOLUTION

No. FRBI/73/21/40.—In supersession of this Ministry's Resolution of even number dated 11st April 1974, the Government of India have decided that the Standing Voluntary Help Committee for Railways will be concerned with the following activities :—

1. Ticketless Travel and checking unauthorised alarm chain pulling.
2. Cleanliness of Stations.
3. Other Passenger amenities like provision of drinking water at Railway Stations and in running trains and

checking of catering and vending arrangements run by departmental catering or private contractors.

A. L. GUPTA,
Secy.
& ex-officio Jt. Secy

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 11th June 1976

RESOLUTION

No. N-21015/8/75-PS.—Consequent upon the introduction of Integrated Finance system in this Ministry, it has been decided that, with immediate effect, the Joint Secretary (Finance) in this Ministry will be a member of both the Advisory Council and Executive Committee of the National Buildings Organisation.

2. Accordingly, in para 1 of this Ministry's resolution No. 7/20/72-PS, dated December 12, 1973 regarding setting up of NBO's Advisory/Council/Executive Committee, under the item 'Member', the words 'Joint Secretary (Finance)' are hereby substituted for the existing words 'Joint Secretary (Finance)' attached to the Ministry of Works and Housing'.

3. Also, in para 2 of the Ministry's aforesaid resolution, under the item "Member", the words "Joint Secretary (Finance)" are hereby added as item No. 11 and the existing item No. 11 will be renumbered as item No. 12.

ORDER

ORDERED that a copy of the resolution be communicated to :—

1. All members of the Advisory Council of National Buildings Organisation.
2. All members of the Executive Committee of National Buildings Organisation.
3. National Buildings Organisation, New Delhi.
4. Planning Commission, New Delhi.
5. Army Headquarters, (E-in-C Branch), New Delhi.
6. Ministry of Defence, New Delhi.
7. Housing and Urban Development Corporation Ltd., New Delhi.
8. Engineer-in-Chief, Central Public Works Department New Delhi.
9. Council of Scientific and Industrial Research, New Delhi.
10. Central Building Research Institute, Roorkee.
11. Structural Engineering Research Centre, Madras.
12. Indian Institute of Architect, Northern Chapter.
13. Builders Association.
14. Bureau of Public Enterprises, Mayur Bhavan, New Delhi.
15. Department of Science and Technology, New Delhi.
16. Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi.
17. All State Governments.
18. Chief Engineers of State PWDs.
19. Ministry of Education and Social Welfare, New Delhi.
20. President, Institute of Engineers (India), New Delhi.
21. Central Statistical Organisation, Planning Commission, New Delhi.
22. National Sample Survey Organisation, New Delhi.
23. Research Institute in the field of Economics & Sociology.
24. Ministry of Industry & Civil Supplies (Department of Industrial Development), New Delhi.
25. Directorate General of Technical Development, New Delhi.
26. Buildings Material Manufacturers Association.
27. Housing and Urban Development Wing, Planning Commission, New Delhi.
28. Indian National Scientific Documentation Centre, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. K. PRASAD, Jt. Secy.